

डीबीटी - राष्ट्रीय पादप जीनोम अनुसंधान संस्थान (समाचार पत्र)

अंक — 2019 - 03 (अक्टूबर - दिसंबर)

वेबसाइट : www.nipgr.ac.in



समाचार पत्र के इस अंक में

- बैठक / कार्यशालाएं / सम्मेलन
- ❖ खबरों में एन.आई.पी.जी.आर
- आमंत्रित व्याख्यान
- कार्यक्रम / आयोजन / विशेष चर्चाएँ
- सम्मान / प्रस्कार / उपलब्धियां
- पीएच.डी. डिग्री अवार्ड
- विज्ञान संचार और आउटरीच



SESSION 26:
In focus: Industry & Acad deploying new technolog

Clobal isolation

Company of the Company of the

संपर्क करें:

श्री रत्नेश्वर ठाकुर (संपादक) ईमेल: social@nipgr.ac.in,

टेलीफ़ोन नं. 011-26735251 (एक्सटेंशन: 251)

हमारा अनुसरण करें:

facebook /nipgr

twitter @NIPGRsocial



बैठक / कार्यशालाएं / सम्मेलन



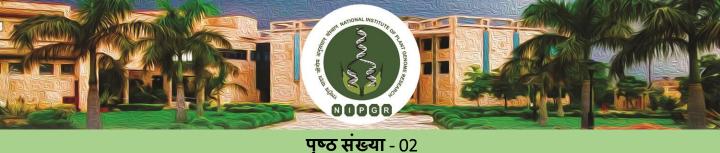
डॉ. रेणु स्वरूप, सचिव, जैव प्रौद्योगिकी विभाग ने 04 दिसंबर, 2019 को एनआईपीजीआर में अत्याधुनिक मेटाबॉलिक सुविधा का उद्घाटन किया। डॉ. रमेश सोंटी, निदेशक, एनआईपीजीआर और डीबीटी संस्थानों के निदेशक के साथ, एनआईपीजीआर संकाय एवं कई अन्य गणमान्य व्यक्तियों उपस्थित थे। प्लांट मेटाबॉलिकम सुविधा अत्याधुनिक विश्लेषणात्मक उपकरणों से लैस है, जो प्लांट फ़ाइटोहोर्मोन और कम प्रचुर मात्रा में मेटाबोलाइट्स के लक्षित और अघोषित मात्रा दोनों के लिए डिज़ाइन किया गया है।



स्थापना दिवस 2019 की झलक : प्रो. वी. रामगोपाल राव, निदेशक, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी), नई दिल्ली ने शनिवार, 30 नवंबर, 2019 को नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ प्लांट जीनोम रिसर्च (एनआईपीजीआर) के 21 वें स्थापना दिवस के अवसर पर "जे. सी. बोस मेमोरियल व्याख्यान" दिया।



ग्लोबल बायो-इंडिया 2019 में एनआईपीजीआर प्रदर्शनी: भारत सरकार के जैवप्रौद्योगिकी विभाग द्वारा आयोजित "ग्लोबल बायो-इंडिया 2019" कार्यक्रम में एनआईपीजीआर समुदाय ने भाग लिया।



बैठक / कार्यशालाएं / सम्मेलन



डॉ. जगदीस गुप्ता कपुगंती (वैज्ञानिक, एनआईपीजीआर) ने 8 अक्टूबर को रूस के वोरोनिश में आयोजित पोस्ट-जीनोमिक टेक्नोलॉजीज पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में उद्घाटन भाषण दिया। डॉ. कपुगांती ने वोरोनिश विश्वविद्यालय में फसल की उत्पादकता और फसलों के पोषण में सुधार पर पोस्ट-जीनोमिक टेक्नोलॉजीज की भूमिका पर चर्चा की।



डॉ. गीतांजित यादव (वैज्ञानिक, एनआईपीजीआर) ने INSA वार्षिक आम बैठक में भाग लिया और एजीएम के पहले दिन " साइंस फॉर फ्यूचर इंडिया" संगोष्ठी में व्याख्यान दिया।



डॉ. गीतांजिल यादव (वैज्ञानिक, एनआईपीजीआर) ने लिस्बन पुर्तगाल में अपने छात्र अमीश कुमार के साथ कॉम्प्लेक्स नेटवर्क्स एनालिसिस मीटिंग (CNA 2019) https://www.complexnetworks.org/ में भाग लिया।



डॉ. गीतांजिल यादव (वैज्ञानिक, एनआईपीजीआर) ने बुडापेस्ट में विश्व विज्ञान मंच में भाग लिया, और युवा विज्ञान अकादिमयों के लिए मार्गदर्शक सिद्धांतों की घोषणा के लिए एक हस्ताक्षरकर्ता के रूप में भारत का प्रतिनिधित्व किया।



डॉ. गीतांजित यादव (वैज्ञानिक, एनआईपीजीआर) ने जीआईए-आईएपी (द ग्लोबल यंग एकेडमी और इंटर एकेडमी पार्टनरिशप) द्वारा हंगरी के एकेडमी ऑफ साइंसेज, बुडापेस्ट, हंगरी में 19 और 20 नवंबर, 2019 को आयोजित "साइंस एथिक्स एंड रिस्पॉन्सिबिलिटी" पर विज्ञान नेतृत्व कार्यशाला में भाग लिया।

हिंदी कार्यशाला - संस्थान में हिंदी के प्रयोग को प्रोत्साहित एवं बढ़ाने हेतु, संस्थान द्वारा दिसंबर 18, 2019 को 'वाक्यांश एवं अभिव्यक्तियाँ', विषय पर हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया था। इसका संचालन श्री ओम प्रकाश साह, कनिष्ठ हिंदी अन्वादक द्वारा किया गया।

खबरों में एन.आई.पी.जी.आर



न्यूज़ 18 उर्दू के "हैलो कैरियर" कार्यक्रम में डॉ. प्रवीण वर्मा (वैज्ञानिक, एनआईपीजीआर) द्वारा विशेषज्ञ कैरियर मार्गदर्शन / सलाह।

वेबसाइट की लिंक:

https://youtu.be/EnDEXUSj02M

हमारा अनुसरण करें:

facebook /nipgr



आमंत्रित व्याख्यान

- 1. डॉ. रोशन कुमार (एनआईपीजीआर, नई दिल्ली) ने "मॉलिक्यूलर बेसिस ऑफ़ द इवोल्यूशन ऑफ़ मिथाइलिथयोअलिकलमैलेट सिंथेस एंड द डाइवर्सिटी ऑफ़ मेथिओनिन-डीराइव्ड ग्लूकोसाइनोलेट्स" विषय पर 28 नवंबर, 2019 को एक व्याख्यान दिया।
- 2. डॉ. सौरभ माजी (एनआईपीजीआर, नई दिल्ली) ने **"इंटरेक्शन मैप ऑफ़ अरबिडोप्सिस मीडिएटर काम्प्लेक्स एक्स्पौन्डिंग इट्स टोपोलॉजी"** विषय पर 28 नवंबर, 2019 को एक व्याख्यान दिया।
- 3. सुश्री लक्ष्मी नारनोलिया (एनआईपीजीआर, नई दिल्ली) ने "ट्रांसक्रिप्शनल सिग्नेचर मॉड्यूलेट शूट एपिकल मेरिस्टेम मॉर्फोमेट्रिक एंड प्लांट आर्किटेक्चरल ट्रेट्स एन्हांस यील्ड एंड प्रोडिक्टिविटी इन चिकपी" विषय पर 28 नवंबर, 2019 को एक व्याख्यान दिया।
- 4. श्री रामगोपाल प्रजापति (एनआईपीजीआर, नई दिल्ली) ने **"द Ca2+ चैनल CNGC19 रेगुलेट** अरबिडोप्सिस डिफंस अगेंस्ट स्पोडोप्टेरा हर्बिवोरी" विषय पर 28 नवंबर, 2019 को एक व्याख्यान दिया।
- 5. डॉ. अरविंद कुमार (निदेशक, रोबोटिक सर्जरी संस्थान, सर गंगा राम अस्पताल, नई दिल्ली) ने "वायु प्रदूषण: ए साइलेंट किलर,एक्ट नाउ ओर पेरिश" विषय पर 04 नवंबर, 2019 को एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।

कार्यक्रम / आयोजन / विशेष चर्चाएँ



अक्टूबर 23, 2019, ओपन है: जनता के बीच विज्ञान को लोकप्रिय बनाने के लिए, एनआईपीजीआर ने जनता के लिए एक "ओपन है" का आयोजन किया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य शोधकर्ताओं के कार्य जीवन में एक अंतर्रष्टि प्रदान करना और एनआईपीजीआर में उपलब्धियों और अनुसंधान सुविधाओं को प्रदर्शित करना है, ताकि युवाओं को विज्ञान के लिए प्रेरित किया जा सके।



सम्मान / पुरस्कार / उपलब्धियां



डॉ. रमेश वी. सोंटी (निदेशक, एनआईपीजीआर) को 19 दिसंबर, 2019 को केरल कृषि विश्वविद्यालय, त्रिशूर, भारत में प्लांट फिजियोलॉजी का सम्मेलन में प्लांट फिजियोलॉजी एंड कॉग्नेट साइंसेज के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए "प्रो केक नंदा मेमोरियल लेक्चर अवार्ड 2019" से सम्मानित किया गया।



डॉ. नवीन सी. बिष्ट (वैज्ञानिक, एनआईपीजीआर) को बायोटेक्नोलॉजी विभाग, भारत द्वारा वर्ष 2019 के लिए "एस रामचंद्रन-नेशनल बायोसाइंस अवार्ड फॉर कैरियर डेवलपमेंट" से सम्मानित किया गया है।



डॉ. ज्योतिलक्ष्मी वाडासरी (वैज्ञानिक, एनआईपीजीआर) को ग्लोबल इन्वेस्टिगेटर नेटवर्क में शामिल होने वाले पहले नौ जीवन वैज्ञानिकों में चुना गया है। ईएमबीओ ग्लोबल इन्वेस्टिगेटर प्रोग्राम के चुनाव से युवा वैज्ञानिकों की उत्कृष्ट क्षमता को पहचान मिलती है।



डॉ. जितेन्द्र गिरि (वैज्ञानिक, एनआईपीजीआर) को युवा वैज्ञानिक 2019 के लिए इंडियन बॉटनिकल सोसायटी द्वारा प्रो. वाई.एस. मूर्ति पदक और भारतीय विज्ञान कांग्रेस द्वारा प्रो. हीरालाल चक्रवर्ती पुरस्कार 2019 मिला।



डॉ. मनोज माजी (वैज्ञानिक, एनआईपीजीआर) को तनाव और बीज जीव विज्ञान के क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए द नेशनल एकेडमी ऑफ साइंसेज, भारत (NASI) का फेलो चुना गया है।

उन्हें वर्ष 2019 के लिए पश्चिम बंगाल अकादमी ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी (WAST) का फेलो भी चुना गया है।



सम्मान / पुरस्कार / उपलब्धियां



डॉ. निमषा शर्मा को वर्ष 2019 के लिए बहुत ही प्रतिष्ठित आईएनएसए यंग साइंटिस्ट मेडल प्राप्त हुआ। मेडल और प्रशस्ति पत्र प्रोफेसर एन के सूद, अध्यक्ष, भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी, द्वारा एनआईओ में आयोजित वर्षगांठ की आम बैठक के दौरान 18 दिसंबर 2019 को गोवा में प्रदान किया गया।



श्री अमीष कुमार (पीएचडी छात्र) को कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय के डिपार्टमेंट ऑफ प्लांट साइंसेज में TIGR2ESS एक्सचेंज विजिटर अवार्ड मिला।



श्री ज्योतिर्मय मथान (पीएचडी छात्र) को 4 अक्टूबर 2019 को आरसीबी में आयोजित एनसीआर क्लस्टर यंग इन्वेस्टिगेटर के सगोष्ठी में सर्वश्रेष्ठ पोस्टर का पुरस्कार मिला।



सुश्री रिचा प्रियदर्शनी (पीएचडी छात्रा) को NGBT सम्मेलन में युवा छात्रवृति से सम्मानित किया गया।

पीएच.डी. डिग्री अवार्ड

- 1. श्री प्रकाश कुमार भगत (पीएच.डी. छात्र) को "इन्वेस्टीगेशन ऑफ़ द रोल ऑफ़ मैप काइनेज इन बायोजेनेसिस ऑफ़ माइक्रोआरएनए (एमआईआरएनए) इन प्लांट्स" नामक उनके शोध कार्य के लिए पीएच.डी. डिग्री से अक्टूबर 17, 2019 को सम्मानित किया गया । उन्होंने यह शोध कार्य डॉ आलोक कृष्ण सिन्हा (वैज्ञानिक) के पर्यवेक्षण में पूरा किया है।
- 2. श्री अजीत पाल सिंह (पीएच.डी. छात्र) को "रोल ऑफ़ जस्मोनेट सिग्नेलिंग कॉम्पोनेंट्स इन न्यूट्रिएंट्स डेफिशियंसी रेस्पोंस इन राइस एंड चिकपी" नामक उनके शोध कार्य के लिए पीएच.डी. डिग्री से अक्टूबर 30, 2019 को सम्मानित किया गया । उन्होंने यह शोध कार्य डॉ जितेन्द्र गिरी (वैज्ञानिक) के पर्यवेक्षण में पूरा किया है।



विज्ञान संचार और आउटरीच



(विज्ञान आउटरीच कार्यक्रमों के माध्यम से एनआईपीजीआर द्वारा विज्ञान लोकप्रियकरण)

- डॉ. आलोक के. सिन्हा (वैज्ञानिक, एनआईपीजीआर) ने राजकीय बालिका उच्च महा विद्यालय, जैसलमेर, राजस्थान में एक लोकप्रिय विज्ञान व्याख्यान दिया।
- 2. डॉ. मनोज प्रसाद ने दिल्ली के विभिन्न स्कूलों के ग्यारहवीं कक्षा के छात्रों के लिए INSPIRE कार्यक्रम के तहत देशबंध कॉलेज में जीनोम एडिटिंग पर व्याख्यान दिया।
- 3. डॉ. गीतांजिल यादव ने सेंट मैरी स्कूल, नई दिल्ली में 2019 ओपन हाउस इवेंट के जज के रूप में हाई स्कूल साइंस चिल्ड्रन के साथ मुलाकात और चर्चा की।
- 4. एजुकेशनल टूर के एक हिस्से के रूप में, बी.टेक के छात्र (बायोटेक्नोलॉजी) / बी.टे। (जैव सूचना विज्ञान) तमिलनाडु कृषि विश्वविद्यालय से डिग्री प्रोग्राम 17 दिसंबर, 2019 को एनआईपीजीआर, नई दिल्ली का दौरा किया। प्रो. सुभ्रा चक्रवर्ती ने आने वाले छात्रों और संकाय सदस्यों के साथ बातचीत की। उन्हें एनआईपीजीआर में अनुसंधान सुविधाओं का मुआयना भी करवाया गया।
- 5. मध्य प्रदेश सरकार (एमपी) ने 11 वीं पंचवर्षीय योजना में एक कार्यक्रम की शुरुआत की है जिसे एमपी मिशन उत्कृष्टता कहा जाता है, जिसके तहत राज्य भर से मेधावी छात्रों का चयन किया जाता है और उनका विज्ञान में कैरियर बनाने के लिए पालन पोषण किया जाता है। इस कार्यक्रम के तहत लगभग 110 मेधावी छात्रों, छह शिक्षकों और एमपीसीएसटी के दो अधिकारियों ने 16 अक्टूबर, 2019 को एनआईपीजीआर का दौरा किया। डॉ. जितेंद्र ठाकुर ने छात्रों और शिक्षकों के साथ बातचीत की। श्री रत्नेश ठाकुर ने उन्हें अनुसंधान सुविधा और एनआईपीजीआर परिसर का दौरा करवाया।